www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 304 | जौनपुर गुरूवार, 25 जून 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

मेघालय में सौर ऊर्जा विस्तार के लिए बनेगी नई कार्य योजना

शिलांग, (एजेंसी)। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने मंगलवार को राज्य के लिए एक समग्र नवीकरणीय ऊर्जा रणनीति तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घरदृमुफ्त बिजली योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के साथ–साथ राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप स्वच्छ ऊर्जा के नए विकल्पों की भी तलाश की जानी चाहिए। शिलांग स्थित राज्य अतिथि गृह में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने, लोगों की भागीदारी बढ़ाने और जागरूकता अभियान मजबूत करने के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए।बैठक में पीएम सूर्य घर–मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। इस योजना का उद्देश्य घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना है। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से 78 हजार रुपए तक की वित्तीय सहायता भी दी जाती है। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि मेघालय में इस योजना को लागू करने में कुछ चुनौतियां सामने आ रही हैं। इनमें परिवहन लागत अधिक होना, दुर्गम भौगोलिक क्षेत्र और छतों पर सौर संयंत्रों का सीमित विस्तार प्रमुख कारण हैं, ।

प्रदीप भंडारी का खड़गे पिता–पुत्र पर जमीन घोटाले का आरोप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके बेटे व कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खड़गे पर सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के जरिए कर्नाटक में जमीन की लूट और भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाया है। प्रदीप भंडारी ने दावा किया कि यह एक–दो मामले नहीं बल्कि कई मामले हैं जिनमें खड़गे परिवार ने कथित तौर पर गरीबों की जमीन हड़पी है। भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके बेटे एक ट्रस्ट के जरिए कर्नाटक में जमीन हड़पने और भ्रष्टाचार में शामिल हैं। इस ट्रस्ट का नाम सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट है। इस ट्रस्ट में मल्लिकार्जुन खड़गे, उनके बेटे प्रियांक खड़गे, उनके दामाद और उनकी पत्नी शामिल हैं। भंडारी ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे के कथित भ्रष्टाचार के एक नहीं बल्कि कई मामले रखूंगा, जिनसे पता चलेगा कि कैसे मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस ट्रस्ट के जरिए जमीन के अलग–अलग टुकड़ों पर कब्जा किया और अपनी ताकत और रसूख का इस्तेमाल करके गरीबों की जमीन हड़पी और कई जगहों पर जमीन लूटने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि जमीन हड़पने का जो पहला मामला रखना चाहता हूं, वह सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट का है।

सामूहिक समर्पण और पुरुषार्थ से ही राष्ट्र की समृद्धि कायम रहती है - प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर राष्ट्र निर्माण और समृद्धि से जुड़ा एक संस्कृत सुभाषित साझा किया। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति और स्थायी समृद्धि उसके नागरिकों के सामूहिक समर्पण, परिश्रम और कर्तव्यनिष्ठा पर निर्भर करती है। प्रधानमंत्री ने लिखा, "सामूहिक समर्पण और पुरुषार्थ से राष्ट्र की समृद्धि अक्षुण्ण रहती है। यही भावना समाज को नई ऊर्जा देती है और विकास के संकल्पों को सिद्धि तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करती है। भी साझा किया। इसका अर्थ बताते हुए उन्होंने कहा कि जहां लोगों में राष्ट्रहित के लिए उत्साह और

कर्मशीलता होती है, जहां आलस्य का स्थान नहीं होता और जहां नीति व साहस का संतुलित मेल होता है, वहां समृद्धि स्थायी रूप से बनी रहती है। त्याग, तप और समर्पण से ही राष्ट्र मजबूत और विकसित बनता है। प्रधानमंत्री मोदी ने 23 जून को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी। उन्होंने कहा था कि डॉ. मुखर्जी ने अपना पूरा जीवन राष्ट्र और समाज की सेवा को समर्पित कर दिया। उनके विचार और आदर्श आज भी देश की नई पीढ़ी को मातृभूमि की सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने यह परेण नाकं निहितं गुहायां विभ्राजते यद्यतयो विशन्तिद्य"। इसका भावार्थ है कि अमरत्व केवल कर्म, धन या वंश से नहीं मिलता, बल्कि त्याग, उच्च आदर्शों और निस्वार्थ समर्पण से प्राप्त होता है। जो लोग राष्ट्र, समाज और सत्य के लिए अपने स्वार्थों का त्याग करते हैं, वे समय बीत जाने के बाद भी लोगों के दिलों में जीवित रहते हैं। प्रधानमंत्री के संदेश का सार यह है कि किसी राष्ट्र की समृद्धि केवल प्राकृतिक संसाधनों या आर्थिक ताकत से नहीं आती, बल्कि उसके नागरिकों की मेहनत, अनुशासन और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण से सुनिश्चित होती है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करता है।

सुरक्षा मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं होगा –सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी के अलीगंज में हुए अग्निकांड प्रदेश के लिए बड़ा सबक बताया है। कहा, इस पीड़ादायक घटना से सीख लेते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके समुचित इंतजाम करें। उन्होंने मंगलवार को शासन के अधिकारियों के साथ बैठक में प्रदेश में मिशन मोड में व्यापक फायर सेफ्टी ऑडिट अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने हर जिले में फायर सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों, नर्सिंग होमों, मेडिकल कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों, शॉपिंग मॉल, सरकारी भवनों तथा अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच कर आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराएं। जनजागरूकता के बाद ही कार्रवाई की जाए। किसी भी नागरिक का उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। इसके लिए हर जिले में विशेष टीम गठित करें। सभी कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण करें। व्यावसायिक भवनों में अग्निशमन विभाग से प्राप्त एनओसी परिसर में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाए। सुरक्षा मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं होगा। भवन अथवा भूमि का उपयोग उसी उद्देश्य में हो जिसके लिए उसे स्वीकृति दी गई है। आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन नहीं होना चाहिए। निर्धारित उपयोग के विपरीत किसी भी प्रकार की गतिविधि स्वीकार्य नहीं होगी। किसी भी परिस्थिति में बेसमेंट में कोचिंग अथवा अन्य व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन न होने पाए। यदि बेसमेंट पार्किंग के लिए स्वीकृत है तो उसका उपयोग केवल पार्किंग के लिए ही किया जाए।

2026– राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रोहित शर्मा को पद्मश्री से सम्मानित किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अपनी कप्तानी में भारत को टी20 विश्व कप 2024 और आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब दिलाने वाले रोहित शर्मा को पिछले 2 दशक में भारतीय क्रिकेट में उनके असाधारण योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार शाम को राष्ट्रपति भवन में रोहित शर्मा को सम्मानित किया। रोहित शर्मा आधुनिक क्रिकेट में दुनिया के बेहतरीन सलामी बल्लेबाजों में से एक रहे हैं। तीनों फॉर्मेट में रोहित ने अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी में करिश्माई प्रदर्शन किया है। मध्यक्रम बल्लेबाज के रूप में अपने करियर का आगाज करने वाले रोहित ने 2013 से बतौर सलामी बल्लेबाज खेलना शुरू किया था और पिछले एक दशक में महानतम ओपनर के रूप में खुद को स्थापित किया है। रोहित शर्मा ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज 23 जून 2007 को आयरलैंड के खिलाफ वनडे से किया था। अपने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के ठीक 19 साल बाद उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। रोहित ने 19 सितंबर 2007 को टी20 और नवंबर 2013 में टेस्ट में डेब्यू किया था। टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके रोहित ने अपने करियर में अब तक 67 टेस्ट, 285 वनडे और 159 टी20 खेले हैं। टेस्ट में 12 शतक की मदद से 4,301 रन, वनडे में 33 शतक और 62 अर्धशतक की मदद से 11,720 रन और टी20 में 5 शतक और 32 अर्धशतक की मदद से 4,231 रन उनके नाम दर्ज हैं।

एनसीओआरडी की 10वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे अमित शाह, मादक पदार्थ नियंत्रण पर विजन डॉक्यूमेंट करेंगे जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार, 26 जून 2026 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नार्को–कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्ष–स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा आयोजित यह बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशामुक्त भारत के विजन को साकार करने की दिशा में सरकार के प्रयासों को और मजबूत करने का महत्वपूर्ण मंच बनेगी। बैठक हाइब्रिड मोड में आयोजित होगी, जिसमें 44 केंद्रीय मंत्रालयों एवं विभागों के प्रमुख हितधारकों के साथ राज्यों और मादक पदार्थ कानून प्रवर्तन एजेंसियों के 108 प्रतिनिधि भाग लेंगे। बैठक के

दौरान अमित शाह "मादक पदार्थ नियंत्रण पर विजन डॉक्यूमेंट (2026–2029)" जारी करेंगे। केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों, मादक पदार्थ प्रवर्तन एजेंसियों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक विचार–विमर्श के बाद तैयार यह दस्तावेज मादक पदार्थों की समस्या से निपटने के लिए मांग में कमी, आपूर्ति में कमी और नुकसान में कमी के लिए साझा रोडमैप प्रदान करेगा। विजन डॉक्यूमेंट में नेटवर्क–केंद्रित प्रवर्तन प्रणाली की परिकल्पना की गई है। इसके तहत अगले तीन वर्षों में सिंथेटिक ड्रग्स और डार्कनेट के माध्यम से होने वाली तस्करी से निपटने, युवाओं को नशे से दूर रखने तथा नशे के आदी लोगों के लिए उपचार और पुनर्वास सेवाओं की पहुंच बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है। दस्तावेज में विभिन्न एजेंसियों की जिम्मेदारियां, समय–सीमाएं और लक्ष्य भी स्पष्ट रूप से निर्धारित किए गए हैं। अमित शाह इस अवसर पर "एनसीबी वार्षिक रिपोर्ट–2025" भी जारी करेंगे। साथ ही जम्मू और गुवाहाटी में नवनिर्मित एनसीबी आंचलिक कार्यालयों का उद्घाटन भी करेंगे। यह कदम मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गृह मंत्री 'ऑनलाइन ड्रग्स डिस्पोजल फोर्टनाइट कैंपेन' की भी शुरुआत करेंगे।

असम ने कृषि निधि के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण प्रगति की है - मुख्यमंत्री सरमा

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को कहा कि राज्य ने एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) योजना के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इस योजना के तहत असम भर के किसानों और कृषि उद्यमियों को 1,100 करोड़ रुपए से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है। समय और कैलेंडर नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ हुई बैठक के बाद जानकारी साझा करते हुए सरमा ने कहा कि कृषि अवसंरचना निधि दोनों नेताओं के बीच हुई चर्चा का प्रमुख विषय बनकर उभरी।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स

पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि असम ग्रामीण कृषि अवसंरचना को मजबूत करने और किसानों को फसल कटाई के बाद की सुविधाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस प्रमुख केंद्रीय योजना के विस्तार में तेजी से प्रगति कर रहा है। सरमा ने कहा कि शिवराज चौहान के साथ हुई मेरी मुलाकात के बाद मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हम एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के कार्यान्वयन और इसके विस्तार में तेजी से प्रगति कर रहे हैं। अब तक 1,100 करोड़ रुपए से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है।कृषि अवसंरचना निधि को केंद्र सरकार द्वारा 2020 में फसल कटाई के बाद प्रबंधन अवसंरचना और सामुदायिक कृषि संपत्तियों के निर्माण में सहायता के लिए एक वित्तपोषण सुविधा के रूप में शुरू किया गया था। यह योजना गोदामों, कोल्ड स्टोरेज इकाइयों, ग्रेडिंग और पैकेजिंग सुविधाओं, प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्रों, आपूर्ति श्रृंखला अवसंरचना और स्मार्ट कृषि परियोजनाओं जैसी परियोजनाओं के लिए मध्यम से दीर्घकालिक ऋण वित्तपोषण प्रदान करती है।अधिकारियों ने बताया कि इस योजना से किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), सहकारी समितियों, कृषि स्टार्टअप, स्वयं सहायता समूहों और उद्यमियों को बुनियादी ढांचे के विकास के लिए किफायती ऋण उपलब्ध कराकर कृषि क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिला है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी को मुख्यमंत्री आवास में सुश्री सपना राणा ने मुलाकात की

मुबई, (एजेंसी)। सुश्री सपना राणा द्वारा राज्य सरकार की मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के अन्तर्गत जर्मन भाषा का प्रशिक्षण प्राप्त कर भाषा परीक्षा उर्तीण की गई, जिसके उपरान्त उनको जर्मनी के हैमबर्ग शहर के शॉन क्लीनिक हॉस्पिटल में 3060 यूरो (ध 3,30,000) प्रतिमाह के वेतन पर नियुक्ति प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के अन्तर्गत कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग के अन्तर्गत गठित विदेश रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा अन्तराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध रोजगार के अवसरों से राज्य के युवाओं को जोड़े जाने हेतु निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में विदेश रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा राज्य के युवाओं को जापान एवं जर्मनी में सेवायोजित किये जाने हेतु भाषा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अब तक करीब 65 युवाओं को जापान में सेवायोजित किया जा चुका है। कैबिनेट मंत्री श्री सौरभ बहुगुणा ने बताया कि जर्मनी में नर्सिंग क्षेत्र में युवाओं हेतु रोजगार के अवसर उपलब्ध है। जिसके दृष्टिगत प्रकोष्ठ द्वारा जर्मन भाषा का प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। इसी प्रशिक्षण को प्राप्त करने के उपरान्त टिहरी गढवाल की नर्सिंग प्रशिक्षित युवा महिला सुश्री सपना राणा का जर्मनी में नर्स के रूप में चयन हुआ है।

मुंबई लोकल ट्रेन में युवक की हत्या, 24 घंटे के भीतर आरोपी गिरफ्तार

देश की उपासना समाचार पत्र

मुंबई ब्यूरो चीफ धनन्जय विश्वकर्मा

मुंबई/विरार। मुंबई की लाइफलाइन मानी जाने वाली लोकल ट्रेन में एक बार फिर दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। विरार निवासी 22 वर्षीय मयंक लोहार की चलती लोकल ट्रेन में चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भारी बारिश के दौरान ट्रेन का दरवाजा बंद करने को लेकर दो यात्रियों के बीच कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते यह विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने अपना आपा खो दिया और चलती ट्रेन में चाकू निकालकर मयंक लोहार पर हमला कर दिया। घटना उस समय हुई जब ट्रेन अंधेरी और बोरीवली स्टेशन के बीच से गुजर रही थी। गंभीर रूप से घायल मयंक को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी बोरीवली स्टेशन के पास ट्रेन से उतरकर फरार हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों तथा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है तथा हत्या के पीछे की परिस्थितियों और अन्य पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

एवरेस्ट प्लाई की अग्निरोधक FRP उत्पाद जागरूकता एवं ठेकेदार सम्मेलन संपन्न

मुंबई ब्यूरो चीफ धनंजय विश्वकर्मा

देश की उपासना समाचार पत्र

मुंबई। निर्माण क्षेत्र में सुरक्षा, गुणवत्ता और आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एवरेस्ट प्लाई द्वारा "एवरेस्ट अग्नि रोधक थ्त्च उत्पाद जागरूकता एवं ठेकेदार सम्मेलन" का भव्य आयोजन होटल हेरिटेज, भायखला (पूर्व), मुंबई में किया गया। कार्यक्रम में मुंबई एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ठेकेदारों, बिल्डरों, आर्किटेक्ट्स तथा निर्माण उद्योग से जुड़े पेशेवरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान कंपनी के विशेषज्ञों ने म्अमतमेज ।हदप त्वकीा थ्त्च उत्पाद की विशेषताओं एवं उपयोगिता पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उपस्थित अतिथियों को उत्पाद की अग्निरोधक क्षमता, मजबूती, टिकाऊपन, जलरोधक गुणों तथा सुरक्षित एवं आधुनिक निर्माण कार्यों में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में अवगत कराया गया। सम्मेलन में ऑडियो–विजुअल प्रस्तुति, तकनीकी सत्र तथा प्रश्नोत्तर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने निर्माण क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों से चर्चा की। इस अवसर पर "एवरेस्ट जीवन रक्षक योजना" की भी जानकारी साझा की गई तथा इच्छुक प्रतिभागियों का पंजीकरण कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जी.एस. लखोटिया (मुख्य कंसल्टेंट), ब्रांच मैनेजर बाबूलाल विश्वकर्मा, टिम्बर वर्ल्ड शॉप के संचालक इरफान, अयान एवं आदिल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। वहीं एवरेस्ट प्लाई की ओर से रमाकांत श्रीवास्तव, उमेश श्रीवास्तव, दीपक पांडेय, सतीश विश्वकर्मा, किशोर तलेकर, सूरज प्रभु एवं महादेव ने कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर लकी ड्रॉ एवं उपहार वितरण का आयोजन किया गया, जिसने प्रतिभागियों में विशेष उत्साह का संचार किया। उपस्थित ठेकेदारों एवं निर्माण क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने इस पहल को ज्ञानवर्धक, उपयोगी एवं उद्योग हित में महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि एवरेस्ट प्लाई के प्रबंध निदेशक अमन गर्ग का निरंतर प्रयास रहता है कि ठेकेदार समुदाय को एक मंच पर जोड़कर रखा जाए तथा उनके व्यावसायिक विकास, सुरक्षा और कल्याण से जुड़े विषयों पर निरंतर कार्य किया जाए। कंपनी भविष्य में भी ऐसे जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी।

संपादकीय

आपसी कड़वाहट और अविश्वास की भावना

भाजपा का मुकाबला करने के लिए बना इंडिया गठबंधन आज उद्देश्यहीन नजर आता है। आपसी समझ, समन्वय, और साझापन की भावना गहराने के बजाय उसमें आपसी कड़वाहट और अविश्वास की भावना बढ़ी है। इंडिया एलायंस की बैठक में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े शिव सेना नेता उद्धव ठाकरे ने पूछा कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) जैसी ऑनलाइन परिघटना क्यों लोगों का ध्यान खींचने में सफल रही, जबकि विपक्ष ऐसा नहीं कर पाया है? क्या इसलिए कि क्या लोगों का ष्हम मेंष भरोसा नहीं रहा? इकत्रा हुए 23 विपक्षी दलों के नेता इस सवाल पर गंभीरता से आत्म–निरीक्षण करते, तो लंबे अंतराल के बाद हुई गठबंधन की बैठक किसी अधिक सार्थक नतीजे पर पहुंच पाती। हकीकत यही है कि सर्व–सत्तावान होती गई भाजपा का मुकाबला करने के लिए तीन साल पहले बना ये गठबंधन आज उद्देश्यहीन हो गया नजर आता है। गुजरे वक्त के साथ आपसी समझ, समन्वय, और साझापन की भावना गहरी होने के बजाय गठबंधन में आपसी कड़वाहट और अविश्वास की भावना ज्यादा फैली हुई है। क्षेत्रीय दलों में कांग्रेस के व्यवहार को लेकर नाराजगी बढ़ी है और उसकी मंशा पर संदेह गहराया है। सोमवार की बैठक से ठीक पहले सीपीएम महासचिव एम.ए. बेबी ने सभी घटक दलों को पत्र लिखकर केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ राहुल गांधी की आक्रामक भाषा पर अपनी नाराजगी जताई। उसके पहले तमिलनाडु में कांग्रेस के श्विश्वासघातत्य से श्आहतत्य डीएमके बैठक के बहिष्कार का एलान कर चुका था। उससे भी पहले कांग्रेस से नाराजगी के कारण आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन से हटने का फैसला ले चुकी थी। सीजेपी परिघटना पर कांग्रेस समर्थक सोशल मीडिया हैंडल्स ने जिस तरह आक्रमण किया, उससे भी कई विपक्षी दल हैरत में पड़े। बैठक में ममता बनर्जी ने कहा कि विपक्षी दलों को सिविल सोसायटी के आंदोलनों की आलोचना करने के बजाय उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। जाहिरा तौर पर इस टिप्पणी का उपरोक्त संदर्भ ही था। तीन साल पहले गठबंधन की एक कमी यह बताई गई थी कि उसके पास ठोस नीति एवं कार्यक्रम एवं कार्यक्रम का अभाव है। अब जबकि दलों के बीच का मन–मुटाव जग–जाहिर है, तो वो मुद्दा पृष्ठभूमि में चला गया है। उनका आपसी अविश्वास मुख्य मुद्दा बन गया है। इस माहौल के कारण ही गठबंधन ने जो पांच सूत्री फैसले लिए, उन्हें महज खानापूरी समझा गया है।

नारी शक्ति का दशक, विकसित भारत का उत्कर्ष

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

देश के किसी भी गाँव, बस्ती या सुदूर इलाके में जाइए– हर घर की रसोई में एक जैसी बदली हुई हवा महसूस होगी द्य चूल्हे के जिस काले धुएँ ने कभी नई दुल्हन की आँखों में आँसू भरे थे, उज्ज्वला की नीली लौ ने उसे विदा कह दिया है। जो माँ कभी कोसों दूर से पानी ढोती थी, आज उसकी बेटी के पास श्हर घर जलत्य का अपना नल है। खेत के पीछे की वह शर्मनाक मजबूरी अब इतिहास है– आँगन में स्वच्छ भारत का शौचालय गरिमा के साथ खड़ा है। सिर पर पक्की छत है, और उसके मालिकाना हक पर पहली बार– घर की महिला का नाम लिखा पर्स में जन–धन की पासबुक है और फोन में यूपीआई का ऐप है। यह किसी पोस्टर पर छपी कोई काल्पनिक तस्वीर नहीं, बल्कि मोदी सरकार के बारह वर्षों में महिला सशक्तिकरण का एक ऐसा सच है, जिसे देश की करोड़ों महिलाएँ हर रोज जी रही हैं। यह उस दौर की दास्तान है जिसमें महिलाओं के नेतृत्व में विकास के विजन के साथ भारतीय नारी विकसित भारत की शिल्पकार बन रही है। इस बदलाव की विशालता को समझने के लिए एक दशक पीछे लौटिए। एक समय मातृ मृत्यु दर 212 थी। निर्भया जैसी घटना पर देश का आक्रोश सड़कों पर था, लेकिन व्यवस्था में नीतिगत इच्छाशक्ति और संवेदनशीलता की कमी दिखाई देती थी। महिला आरक्षण विधेयक 1996 से चार बार अधर में लटका रहा और ट्रिपल तलाक पर दशकों तक कोई निर्णायक कार्रवाई नहीं हुई। चूल्हा साँसों में कालिख घोलता था। दूरस्थ हैंडपंप रोजमर्रा की बेबसी का प्रतीक था द्य भारतीय नारी एक नई सुबह की प्रतीक्षा में अपने हिस्से की उम्मीद बचाए हुए थी। शुरुआत करते हैं सबसे पवित्र आँकड़ेकृजीवन का अधिकार से। देश में मातृ मृत्यु दर तेजी से घटकर 212 से 88 पर आ गई है। यूएन–एमएमईआईजी के अनुसार जहाँ वैश्विक स्तर पर मातृ मृत्यु दर में महज 48त्न की कमी आई, वहीं भारत ने 86त्न की ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की है। संस्थागत प्रसव 38.7त्न से बढ़कर 90.6त्न हो चुका है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ने चार करोड़ से अधिक माताओं के बैंक खातों में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक सीधे हस्तांतरित कर सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ बचपन की नींव मजबूत की है। देश में बने 12 करोड़ से अधिक घरेलू शौचालयों ने महिलाओं को गरिमा दी द्य10.5 करोड़ से अधिक उज्ज्वला कनेक्शनों ने धुएँ से मुक्ति दी। आज 16 करोड़ से अधिक घरों तक नल का पानी पहुँच चुका हैकृजबकि 2014 में महज 17त्न परिवारों के पास यह सुविधा थी। प्रधानमंत्री आवास योजना के लगभग 4 करोड़ घरों में से 73त्न घर महिलाओं के नाम पर हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार सरकारी रिकॉर्ड्स पर माँ–बहनों का नाम गर्व से दर्ज है। गरिमा से स्वामित्व आया, और स्वामित्व ने निर्णय लेने का आत्मविश्वास दिया। आर्थिक भागीदारी का यह विस्तार बैंक खाते से शुरू होकर उद्यमिता तक पहुँचा है द्य लगभग 56 करोड़ जन–धन खातों में 56त्न खाते महिलाओं के नाम पर हैं। विश्व बैंक मानता है– भारत ने एक दशक में खाता–स्वामित्व के जेंडर गैप को शून्य पर ला दिया है, जो वैश्विक वित्तीय समावेशन के इतिहास में अभूतपूर्व है। मुद्रा योजना के तहत 52 करोड़ से अधिक जमानत–मुक्त ऋणों में से 68त्न ऋण महिलाओं को मिले हैं। स्टैंड–अप इंडिया ने महिला उद्यमियों को 43,000 करोड़ रुपये से अधिक दिए हैं और दीनदयाल अंत्योदय योजना दृ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 91 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों ने 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक की पूंजी जुटाई है। निर्धारित समय से पहले 3 करोड़ बहनें श्लखपति दीदियाँच बन चुकी हैं। यह बदलाव शिक्षा और रोजगार में भी स्पष्ट है द्य देश में महिला श्रम शक्ति भागीदारी वर्ष 2017–18 के 23.3त्न से बढ़कर वर्ष 2023–24 में 41.7त्न हो गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह भागीदारी 47.6त्न तक पहुँच चुकी है । सुकन्या समृद्धि योजना के तहत अब तक 4.53 करोड़ खातों में 3.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा है । उच्च शिक्षा में हमारा जेंडर समानता सूचकांक 1 के पार है और एसटीईएम शिक्षा में बेटियों की भागीदारी 43त्न है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक में से एक है। यह परिवर्तन केवल अनुभवों में नहीं, एसआरएस, एनएफएचएस, पीएलएफएस, विश्व बैंक और संयुक्त राष्ट्रकृहर रिपोर्ट एक ही दिशा की ओर इशारा करती हैरू भारतीय महिला के लिए पहुँच बढ़ी है और आत्मनिर्भरता का नया आसमान खुला है। इसी आर्थिक–सामाजिक चेतना का विस्तार राजनैतिक और लोकतांत्रिक भागीदारी में दिख रहा है। वर्ष 2019 के आम चुनावों में पहली बार महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहा। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में 31.2 करोड़ महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

उन्चे सपनों के साथ आखिर कब तक झुलसते रहेंगे हमारे मासूम युवा

स्वराज्य

आज देश भर में सरकारी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग केंद्रों की भरमार है। लेकिन क्या इन केंद्रों के सरकारी पंजीयन का भी कोई प्रावधान है? अगर नहीं है तो क्या उनका सरकारी रजिस्ट्रेशन नहीं होना चाहिए ताकि अगर वहां कोई हादसा हो जाए तो प्रारंभिक जिम्मेदारी तत्काल तय की जा सके! बड़े सपने देखने वाले छोटी उम्र के हमारे उन मासूम युवाओं को भला क्या मालूम था कि वह उनकी जिन्दगी का आखिरी दिन होगा! उत्तरप्रदेश के लखनऊ में कल 22 जून को एक बहुमंजिली इमारत में संचालित कोचिंग सेंटर में अचानक आग लगी और देखते ही देखते अपने ऊंचे सपनों के साथ वे बच्चे भी झुलसकर दुनिया से चले गए, जो अपनी जिन्दगी में कुछ बनने और कुछ ऊंचा कर दिखाने का ख्व्वाब लेकर पढ़ाई के लिए वहां गए थे। उनकी चीखें आग और धुएं में घुटकर रह गईं।उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर गहरा दुरूख व्यक्त करते हुए तत्काल घटनास्थल का दौरा किया, पीड़ितों और उनके परिवारजनों से मुलाकात की। उन्होंने लखनऊ के अलीगंज में हुए इस हादसे पर नाराजगी व्यक्त करते हुए इसकी उच्च स्तरीय जांच के भी निर्देश दिए और कहा कि जांच में दोषी पाए जाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिवारों के लिए दो–दो लाख रूपए और प्रत्येक घायल के लिए 50 हजार रूपए की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। गहन दुरूख की इस घड़ी में पीड़ितों और शोक संतप्त परिवारों के प्रति उन सबकी भावनाएं और संवेदनाएं अपनी जगह बिलकुल ठीक हैं। पीड़ित परिवारों को मुआवजा भी मिल जाएगा और दोषियों पर कार्रवाई भी हो जाएगी, लेकिन सवाल यह है कि जिन घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए, उन घरों में रौशनी अब कैसे होगी?मेरा ख्व्याल है कि स्कूल–कॉलेजों की नियमित पढ़ाई के अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए युवाओं में कोचिंग के प्रति रूझान पिछले दस–बीस वर्षों में पागलपन की हद तक बढ़ गया है। हर युवा बड़े से बड़ा सरकारी अफसर बनना चाहता है। आज दसवीं–बारहवीं बोर्ड की वार्षिक परीक्षाओं में अस्सी, नब्बे, पंचानवे और निन्यानवे प्रतिशत अंकों से हजारों, लाखों बच्चे उत्तीर्ण हो रहे हैं। इसके बाद भी उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अलग से कोचिंग करनी पड़ती है। बताया जाता है कि उन परीक्षाओं का पाठ्यक्रम दसवीं–बारहवीं के पाठ्यक्रमों से अलग होता है। लेकिन ऐसा क्यों? इन कोचिंग सेंटरों में दाखिले के लिए बच्चे अपने स्कूल–कॉलेज की नियमित कक्षाएं भी छोड़ देते हैं, वहां से अपना ट्रांसफर सर्टिफिकेट भी ले जाते हैं। कोचिंग केंद्रों के प्रबंधक उनका एडमिशन किसी प्राइवेट स्कूल या कॉलेज में करवा देते हैं, जहां संबंधित छात्र–छात्रा को क्लास अटेंड करने के लिए जाना नहीं पड़ता, लेकिन उनकी हाजिरी लगती रहती है। वे सिर्फ वार्षिक परीक्षाओं में शामिल होते हैं। उनकी इस प्रकार की कक्षाओं को श्डमी क्लासश कहा जाता है। क्या इन श्डमी कक्षाओंश का प्रचलन गलत नहीं है?विगत कुछ वर्षों में कु छ कोचिंग केंद्रों में हुए हादसों को लेकर सवाल यह भी उठता है कि ऐसे हादसे होते ही क्यों हैं? क्या इसलिए कि अधिकांश कोचिंग सेंटरों में मानव जीवन की सुरक्षा का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं रहता? कहीं आग से बचाव के लिए फायर सेफ्टी की कोई व्यवस्था नहीं रहती, तो कहीं कई–कई मंजिलों वाली गगनचुम्बी इमारतों में आग लगने पर बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं रहता। अधिकांश कोचिंग सेंटर अत्यधिक भीड़–भाड़ वाले इलाकों में संचालित होते हैं। जिन्हें इनका निरीक्षण करते रहना चाहिए, वे अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाते। आज देश भर में सरकारी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग केंद्रों की भरमार है। लेकिन क्या इन केंद्रों के सरकारी पंजीयन का भी कोई प्रावधान है? अगर नहीं है तो क्या उनका सरकारी रजिस्ट्रेशन नहीं होना चाहिए ताकि अगर वहां कोई हादसा हो जाए तो प्रारंभिक जिम्मेदारी तत्काल तय की जा सके! क्या लाखों रूपयों की फीस वाले कोचिंग सेंटरों के संचालन की अनुमति सरकार की ओर से या स्थानीय प्रशासन की ओर से दी जाती है? अगर नहीं तो अनुमति अनिवार्य होनी चाहिए। ये कोचिंग सेंटर जिन भवनों में संचालित होते हैं, उनमें आग से बचाव के लिए पुख्ता इंतजाम होने चाहिए। स्थानीय

प्रशासन को ऐसी बिल्डिंगों में फायर सेफ्टी की जांच भी नियमित रूप से और आकस्मिक रूप से भी करनी चाहिए। बशर्ते यह कार्य पूरी ईमानदारी और गंभीरता से हो। देश की कई ऊंची–ऊंची इमारतों में हुए ऐसे हादसों से कोई सबक भी तो नहीं लेता। कोई सबक लेना भी नहीं चाहता। एक हादसा होता है, चीख–पुकार मचती है, रोना–ध ोना मचता है, डांट–फटकार भी होती है, उसके बाद सब कुछ यथावत चलने लगता है। बात आई गई हो जाती है। दिल्ली के मालवीय नगर की एक बहुमंजिली इमारत में संचालित रेस्टोरेंट में आग लगने से 21 मौतों की घटना सिर्फ 20 दिन पहले की है, यानी तीन जून 2026 के इस हादसे को एक महीना भी नहीं हुआ और ऐसा लगता है कि महज तीन हफ्ते में ही सब उसे भूल गए। सड़क हादसों, रेल हादसों और विमान हादसों को भी लोग बहुत जल्दी भूल जाते हैं। जरूरत भूलने की नहीं, बल्कि सबक लेने और बचाव के समुचित उपाय समय से पहले सुनिश्चित कर लेने की है। लखनऊ में कल 22 जून को कोचिंग सेंटर में हुई भयानक अग्नि दुर्घटना देश में भविष्य में और कहीं न हों, यह देखना सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है।

दस्तावेजी सबूत हैं कि संघ ने आपातकाल का समर्थन किया था

अनिल

पिछले 12 वर्षों के दौरान अपने क्रिया–कलापों के जरिए आपातकाल को बहुत पीछे छोड़ कर लोकतंत्र को लगभग खत्म कर चुके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए तो राजनीतिक विमर्श में आपातकाल सबसे प्रिय विषय रहता है। इसलिए वे आपातकाल को हर साल सिर्फ 25–26 जून को ही नहीं बल्कि अक्सर याद करते रहते हैं।पंच दशक पहले देश में लगे आपातकाल की 25 जून को 51वीं बरसी है। इस मौके पर मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए भारतीय लोकतंत्र के उस त्रासद और शर्मनाक कालखंड को अलग–अलग तरह से याद किया जाएगा। याद करने वालों में ऐसे तो होंगे ही जो आपातकाल के दौरान पूरे समय जेल में रहे थे या भूमिगत रहते हुए आपातकाल और तानाशाही के खिलाफ संघर्ष में जुटे हुए थे, मगर आपातकाल को वे तमाम लोग सबसे ज्यादा बढ़–चढ़कर याद करेंगे जो आपातकाल के दौरान अपनी गिरफ्तारी के चंद दिनों बाद ही माफीनामे लिखकर जेल से बाहर आ गए थे, ठीक उसी तरह, जिस तरह विनायक दामोदर सावरकर अंग्रेजों से माफी मांग कर जेल से बाहर आए थे।आपातकाल को याद करते हुए कांग्रेस को कोसने वालों में वे लोग भी शामिल रहेंगे जो जेल जाने से बचने के लिए रातों–रात अपनी राजनीतिक पहचान बदलकर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके बेटे संजय गांधी की जय–जयकार करने लगे थे। सरकार से माफी मांगकर जेल से बाहर आने वालों ने अपने माफीनामों में इंदिरा गांधी के बीस सूत्रीय और संजय गांध ी के पांच सूत्रीय कार्यक्रम का समर्थन करते हुए वादा किया था कि वे भविष्य में किसी भी तरह की राजनीतिक गतिविधियों में शामिल नहीं होंगे। ऐसा करने वालों में ज्यादातर लोग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और तत्कालीन जनसंघ यानी आज की भाजपा से जुड़े हुए थे।पिछले 12 वर्षों के दौरान अपने क्रिया–कलापों के जरिए आपातकाल को बहुत पीछे छोड़ कर लोकतंत्र को लगभग खत्म कर चुके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए तो राजनीतिक विमर्श में आपातकाल सबसे प्रिय विषय रहता है। इसलिए वे आपातकाल को हर साल सिर्फ 25–26 जून को ही नहीं बल्कि अक्सर याद करते रहते हैं। यह और बात है कि मोदी आपातकाल के दौरान न तो जेल गए थे और न ही आपातकाल विरोधी किसी संघर्ष से उनका कोई जुड़ाव था। एक साल पहले आपातकाल के पांच दशक पूरे होने पर मोदी ने कहा था, श्आपातकाल के दौरान हमारे देश ने देखा कि किस तरह संवैधानिक संस्थाओं का विनाश किया गया। हम संकल्प लेते हैं कि हम भारत की लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करने का हर संभव प्रयास करेंगे और हमारे संविधान में निहित मूल्यों पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे।उस मौके पर गृहमंत्री अमित शाह के नाम से कुछ अखबारों में लेख भी छपे थे, जिनमें दावा किया गया था कि भाजपा ही देश में एक मात्र ऐसी पार्टी है जो लोकतांत्रिक मूल्यों में आस्था रखती है और देश में लोकतंत्र इसलिए बचा हुआ है, क्योंकि आज सरकार चला रहे नेता उन लोगों में से हैं जिन्होंने आपातकाल के खिलाफ कथित श्दूसरी आजादी की लड़ाईश लड़ी थी। हालांकि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के दावों के बरअक्स संसद, न्यायपालिका और चुनाव आयोग सहित विभिन्न संस्थानों की पिछले 12 वर्षों के दौरान किस कदर दुर्गति हुई है, संविधान को किस कदर नजरअंदाज किया जा रहा है और असहमति की आवाजों का कितनी निर्ममता से दमन किया जा रहा है, यह सब एक अलग बहस का विषय है।अमित शाह का यह दावा पूरी तरह हास्यास्पद है कि देश में लोकतंत्र इसलिए बचा हुआ है, क्योंकि आज सरकार चला रहे नेता उन लोगों में से हैं जिन्होंने आपातकाल के खिलाफ दूसरी आजादी की लड़ाई लड़ी थी। वैसे तो उनके इस दावे को फर्जी साबित करने वाले कई तथ्य सरकारी और गैर सरकारी दस्तावेजों में दर्ज भी हैं, लेकिन यहां सिर्फ आरएसएस के तत्कालीन सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रेय देवरस उर्फ बालासाहेब देवरस के उन पत्रों का उल्लेख करना ही पर्याप्त होगा जो उन्होंने आपातकाल लागू होने के कुछ ही दिनों बाद जेल में रहते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और सर्वोदयी चिंतक विनोबा भावे को लिखे थे। उन्होंने यरवदा जेल से इंदिरा गांधी को पहला पत्र 22 अगस्त, 1975 को लिखा था जिसकी शुरुआत इस तरह थी– श्मैंने 15 अगस्त, 1975 को रेडियो पर लाल किले से राष्ट्र के नाम आपके संबोधन को यहां कारागृह (यरवदा जेल) में सुना था। आपका यह संबोधन संतुलित और समयानुकूल था। इसलिए मैंने आपको यह पत्र लिखने का फैष्सला किया। इंदिरा गांधी ने देवरस के इस पत्र का कोई जवाब नहीं दिया। देवरस ने 10 नवंबर, 1975 को इंदिरा गांधी को एक और पत्र लिखा। इस पत्र की शुरुआत उन्होंने सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट के फै सले के खिलाफ दिए गए फैसले के लिए इंदिरा गांधी को बधाई देने के साथ की। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इंदिरा गांधी को चुनाव में भ्रष्ट साधनों के उपयोग का दोषी मानते हुए प्रधानमंत्री पद के अयोग्य करार दिया था। देवरस ने अपने इस पत्र मे लिखा– श्सुप्रीम कोर्ट के पांच न्यायाधीशों की पीठ ने आपके चुनाव को वैध घोषित कर दिया है, इसके लिए आपको हार्दिक बधाई।श देवरस ने अपने इस पत्र में यहां तक कह दिया कि, श्सरकार ने अकारण ही संघ का नाम गुजरात के छात्र आंदोलन और जयप्रकाश नारायण के बिहार आंदोलन के साथ जोड़ दिया है, जबकि संघ का इन आंदोलनों से कोई संबंध नहीं है।श चूंकि इंदिरा गांधी ने देवरस के इस पत्र का भी जवाब नहीं दिया। लिहाजा जनसंघ के राजनीतिक प्रेरणा पुरुष देवरस ने विनोबा भावे से संपर्क साधा, जिन्होंने आपातकाल को श्अनुशासन पर्वश की संज्ञा दी थी। देवरस ने 12 जनवरी, 1976 को लिखे अपने पत्र में विनोबा भावे से आग्रह किया कि संघ पर लगा प्रतिबंध हटाए जाने के लिए वे इंदिरा गांधी को सुझाव दें। विनोबा भावे ने भी देवरस के पत्र का जवाब नहीं दिया। हताश देवरस ने विनोबा को एक और पत्र लिखा। उन्होंने इस पत्र में लिखा, अखबारों में छपी सूचनाओं के अनुसार प्रधानमंत्री 24 जनवरी को वर्धा, पवनार आश्रम में आपसे मिलने आ रही हैं। उस समय देश की वर्तमान परिस्थितियों के बारे में उनकी आपके साथ चर्चा होगी। मेरी आपसे याचना है कि प्रध ाानमंत्री के मन में संघ के बारे में जो गलत धारणा घर कर गई है, आप कृपया उसे हटाने की कोशिश करें, ताकि संघ पर लगा प्रतिबंध हटाया जा सके और जेलों में बंद संघ के लोग रिहा होकर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की प्रगति के लिए सभी क्षेत्रों में अपना योगदान कर सकें।श विनोबा ने देवरस के इस पत्र का भी कोई जवाब नहीं दिया। यह भी संभव है कि दोनों ही पत्र विनोबा तक पहुंचे ही न हों। जो भी हो, इंदिरा गांधी और विनोबा को लिखे गए ये सभी पत्र देवरस की पुस्तक श्हिंदू संगठन और सत्तावादी राजनीतिश में परिशिष्ट के तौर पर शामिल हैं। इस पुस्तक का प्रकाशन जागृति प्रकाशन, नोएडा ने किया है। इंदिरा गांधी और विनोबा को लिखे देवरस के पत्रों से यह तो जाहिर होता ही है कि आरएसएस आधिकारिक तौर पर आपातकाल विरोध ी संघर्ष में शामिल नहीं था। संगठन के स्तर पर आपातकाल का समर्थन करने और सरकार को सहयोग देने की देवरस की औपचारिक पेशकश जब बेअसर साबित हुई तो संघ के जो कार्यकर्ता गिरफ्तार कर लिए गए थे, उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर माफीनामे देकर जेल से छूटने का रास्ता अपनाया। जेल से बाहर आने की छटपटाहट सिर्फ संघ के कार्यकर्ताओं में ही नहीं थी ।

मोदी के कार्यकाल के बारह वर्षों ने समूची दुनिया को भारत को अलग नजरिए से देखने के लिए प्रेरित कि

लक्ष्मी पुरी

उन्होंने स्वयं को एक अत्यंत बेहतरीन संकट–प्रबंधक के रूप में प्रमाणित किया है। केवल उनके दृढ़ संकल्प, साहस और सावधानीपूर्वक की गई कार्रवाई के बल पर ही 1.4 बिलियन भारतीयों का महामारी जैसी सदी की भीषणतम आपदा से सुरक्षित निकालना तथा उस आपदा को अवसर में बदलना संभव हुआ। वह अब भारत का नेतृत्व ऐसे समय में कर रहे हैं, जब वैश्विक भूराजनीतिक और भू–आर्थिक व्यवस्था खतरनाक उथल–पुथल के दौर से गुजर रही है। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार पद पर रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। यह उपलब्धि उनकी भी है और भारत की भीरू उनसे पहले किसी ने भी इस लोकतंत्र में लगातार इतने लंबे समय तक शासन नहीं किया और न ही इतनी प्रतिस्पर्धी राजनीति के बीच किसी ने लगातार तीन बार चुनावी जीत हासिल की है। हालाँकि, रिकॉर्ड से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने क्या कार्य किया है रू अपने कार्यकाल के प्रत्येक मिनट के पूरे साठ सेकेंड का भारत के लिए पूरी ऊर्जा के साथ उपयोग करते हुए उसे सार्थक बनाया, उनके इन बारह वर्षों का प्रत्येक वर्ष 365 दिनों की उपलब्धियों से चिह्नित रहा, और इसी दौरान उस नए, गतिशील भारत का निर्माण हुआ, जिसे आज दुनिया एक अलग नजरिए से देख और समझ रही है। मैंने अपनी कामकाजी जिंदगी फील्ड में, राजधानियों में, बोर्ड और कॉन्फ्रेंस रूम में तथा संयुक्त राष्ट्र में बितायी हैकृजहाँ देशों के बारे में दुनिया अपनी राय कायम करती है। बीते एक दशक जो परिवर्तन आया है, वह मेरे द्वारा देखे गए परिवर्तनों में सबसे अधिक उल्लेखनीय हैरू भारत के प्रति पहले जो उपेक्षापूर्ण दृष्टिकोण हुआ करता था, उसकी जगह अब प्रतिस्पर्धी रुचि, सीखने की इच्छा ने ले ली है, दुनिया भारत के उस परिवर्तन को विस्मय से देख रही है, जिसमें वह एक श्सिद्धांतों के आधार पर आपत्ति दर्ज करने वालेय और श्व्यवस्था को स्वीकार करने वालेय देश की जगह अब श्व्यवस्था को आकार देने वालेय देश के रूप में उभरा है, आज भारत बहुआयामी कूटनीतिक सहभागिता और रणनीतिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ रहा है। वह न केवल अपने प्रभाव का उपयोग अपने विचारों के समर्थन में कर रहा है, बल्कि अपने विचारों के समर्थन को भी शक्ति में परिवर्तित कर रहा है। दुनिया इस शख्सियत का सही आकलन करती हैरू उन्हें सत्ता विरासत में नहीं मिलीय उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सर्वोच्च पद तक का सफर बिना किसी पारिवारिक नाम के सहारे, रेलवे प्लेटफॉर्म पर बीते बचपन से तय कियाय उन्होंने भारत के कोने–कोने की यात्रा की, लोगों को समझा, उनके साथ बैठकर भोजन किया, उनके सुख–दुरूख में भागीदार बने और जमीनी स्तर से अपना राजनीतिक जीवन निर्मित किया। वंशानुगत सत्ता और विशेषाधि ाकार प्राप्त उत्तराधिकार से ऊब चुकी दुनिया में, ऐसे नेता की छवि अधिक भरोसेमंद होती है, जिन्होंने अपनी पहचान स्वयं गढ़ी हो। वह भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने देश की सभ्यतागत पहचान को अपनी पहचान के रूप में धारण किया है, न कि उसके प्रति क्षमायाचना का भाव रखा है अथवा विदेशी वेशभूषा और दृष्टिकोण अपनाकर स्वयं को किसी अन्य रूप में प्रस्तुत किया है। वैश्विक जनमत का आकलन करने वाले सर्वेक्षण इस बात से सहमत हैरू वर्षों से श्री मोदी लोकतांत्रिक नेताओं की मॉर्निंग कंसल्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं, उनकी स्वीकृति दो–तिहाई से अधिक रही है, जो पश्चिमी नेताओं से काफी आगे है। प्यू के सर्वेक्षणों के अनुसार, दस में से आठ भारतीय उनके प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रखते हैं, और वे अपने देश की दिशा से अधिकांश परिपक्व लोकतंत्रों की तुलना में अधिक संतुष्ट हैं। सरकारें इस बात से सहमत हैं । उन्होंने 19 विदेशी संसदों को संबोधित किया है और लगभग 30 देशों के राजकीय सम्मान प्राप्त किए हैं, जिनमें से कई उन देशों के सर्वोच्च नागरिक सम्मान हैं। अपने लोगों से वह सीधे संवाद करते हैं, हर महीने श्मन की बातत्य के माध्यम से अपने मन और हृदय की बात खुलकर रखते हैंय जबकि अन्य देशों के नेताओं के साथ उनका व्यवहार ऐसा है, जिसने वाशिंगटन और मॉस्को, खाड़ी देशों और यूरोपकृसबको एक साथ किसी अद्भुत श्जादुई प्रभावत्य के साथ जोड़कर रखा है। भारत अब मॉडल आयात करने के बजाय उन्हें निर्यात कर रहा है। उसकी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना दुनिया के लगभग आधे रियल–टाइम भुगतान को संचालित करती है और लाखों खातों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाती है। आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, एक दशक में 25 करोड़ लोग गरीबी के चंगुल से बाहर आए हैंरू श्अंत्योदयत्य, जो राज्य के संचालन का आधारभूत सिद्धांत है, केवल एक नारा भर नहीं, बल्कि ऐसा सिद्धांत है, जो सुनिश्चित करता है कि कोई भी पीछे न छूटे और सबसे पीछे खड़े व्यक्ति तक पहले सहायता पहुँचे, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र के श्एजेंडा 2030त्य ने भी आह्वान किया है। यदि किसी नेता ने इस सिद्धांत के अनुरूप वास्तव में शासन किया है, तो वह प्रधानमंत्री मोदी हैं। महामारी के दौरान भारत ने 2 बिलियन से अधिक टीके लगाए, 800 मिलियन लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध ा कराया, लगभग 100 देशों को वैक्सीन और 150 देशों को दवाएँ उपलब्ध कराईं। संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें श्चैंपियन ऑफ द अर्थत्य के रूप में नामित किया, जबकि गेट्स फाउंडेशन ने गरीबी, भूख, स्वास्थ्य, लैंगिक समानता, ऊर्जा और जलवायु में मापनीय प्रगति के लिए उन्हें सतत विकास लक्ष्यों के श्लोबल गोलकीपरत्य के रूप में नामित कियाय यूनिसेफ और यूएन विमेन ने भी महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण से संबंधित उनके प्रयासों की सराहना की है, जिनमें श्बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओत्य और संसद में महिलाओं के लिए आरक्षण जैसी पहलें शामिल हैं। उनके लक्षित और बहु–क्षेत्रीय कार्यक्रम महिलाओं और लड़कियों के जीवन में कृघर से कॉलेज तक, छोटे कियोस्क से कॉर्पोरेट जगत तक, स्थानीय शासन से संसद तक संरचनात्मक बदलाव लाए हैं। उन्होंने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को नैतिक और सामाजिक न्याय की अनिवार्यता के रूप में आगे बढ़ाया है, जो देश की आधी आबादी की क्षमता को सक्रिय करने के लिए अपरिहार्य है। कोई भी राष्ट्र सशक्त महिलाओं के बिना आगे नहीं बढ़ सकताय भारत अब इस सत्य को एक महाद्वीप–स्तरीय व्यापकता के साथ लागू कर रहा है। उन्होंने भारतीयों के भीतर श्भारतीय होनेत्य का गर्व पुनरू स्थापित किया हैकृदेश के भीतर भी और दुनिया भर में फैले 3.5 करोड़ प्रवासी भारतीयों में भी – जो विश्व का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। राष्ट्र एकजुट होकर आगे बढ़ा हैरू महामारी के दौरान सामूहिक संकल्प में, श्ऑपरेशन सिंदूरत्य के बाद सशस्त्र बलों के समर्थन में, और महाकुंभ में, जहाँ 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालु मानव इतिहास के सबसे बड़े समागम का हिस्सा बने। ये सभी प्रतीक समाज को एक सूत्र में बाँधने वाली बातों को दर्शाते हैंरू राष्ट्रपति भवन में जनजातीय महिलाय क्षेत्र–दर–क्षेत्र उनका पगड़ी, टोपी या जनजातीय लोगों के पारंपरिक सिरोभूषण को सम्मान और स्नेह के साथ धारण करनाय श्मन की बातत्य और पद्म पुरस्कारों के माध्यम से गाँवों के लोगों को नायक बनानाय आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 200 मिलियन घरों में तिरंगे का फहरानाय श्वंदे मातरम्त्य के 150 वर्ष का उत्सवय स्वच्छ भारत अभियान के तहत 110 मिलियन शौचालयों का निर्माण,जो एक जन–आंदोलन बनाय और एक भारत, विविधता को एक सूत्र में पिरोते हुए।

फीनिक्स यूनाइटेड में शुरू हुई एंड ऑफ सीजन सेल'

'लखनऊ,।' फीनिक्स यूनाइटेड, आलमबाग में एंड ऑफ सीजन सेल की शुरुआत हो गई है। 20 जून से 26 जुलाई तक चलने वाली इस सेल में शहरवासी अपने पसंदीदा ब्रांड्स पर आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठा सकेंगे। खरीदारी के साथ ग्राहकों को उपहार और बड़े इनाम जीतने का मौका भी मिलेगा, जिससे शॉपिंग का उत्साह और बढ़ गया है। सेल के दौरान ६ 6,999 या उससे अधिक की खरीदारी करने वाले ग्राहकों को सुनिश्चित उपहार दिए जाएंगे। वहीं ६ 14,999 या उससे अधिक की खरीदारी पर ग्राहक लकी ड्रॉ में हिस्सा ले सकेंगे। लकी ड्रॉ के विजेताओं को बाइक, 43 इंच एलईडी टीवी, 10 ग्राम चांदी का सिक्का, घरेलू हॉलीडे पैकेज और एयर कूलर जैसे पुरस्कार दिए जाएंगे। कुल मिलाकर 5 लाख रुपए तक के उपहार ग्राहकों के लिए रखे गए हैं। फीनिक्स मिल्स के रिटेल डायरेक्टर (नॉर्थ) श्री संजीव सरीन ने कहा, "एंड ऑफ सीजन सेल का इंतजार हमारे ग्राहक हर साल करते हैं। इस बार हमने खरीदारी को और मजेदार बनाने की कोशिश की है। अच्छे ऑफर्स के साथ उपहार और लकी ड्रॉ का मौका ग्राहकों के लिए अतिरिक्त खुशी लेकर आएगा। हमें उम्मीद है कि लोग परिवार और दोस्तों के साथ आएंगे और इस शॉपिंग सीजन का पूरा आनंद उठाएंगे।"

आठवीं मोहर्रम का ऐतिहासिक जुलूस निकला, गूंजे नौहे और मातम की सदाएं

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। शिराज–ए–हिंद जौनपुर में गुरुवार को आठवीं मोहर्रम का ऐतिहासिक जुलूस पारंपरिक श्रद्धा, अकीदत और गमगीन माहौल के बीच निकाला गया। मोहल्ला नसीब खां मंडी स्थित इमामबाड़ा नाजिम अली खां से अंजुमन हुसैनिया के नेतृत्व में निकले इस जुलूस में शहर की 20 से अधिक मातमी अंजुमनों ने हिस्सा लिया। नौहा–ख्वानी और सीना–जनी के माध्यम से कर्बला के शहीदों को खिराज–ए–अकीदत पेश किया गया। नगर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी मजलिसों, जुलूसों तथा जुलजनाह, अलम और ताबूत के कार्यक्रम आयोजित हुए। मजलिस को संबोधित करते हुए दिल्ली से आए विद्वान डॉ. कल्बे रजा नकवी ने कहा कि कर्बला का संदेश अन्याय, अत्याचार और आतंक के विरुद्ध संघर्ष का संदेश है। उन्होंने कहा कि हजरत इमाम हुसैन ने सत्य और इंसानियत की रक्षा के लिए अपने परिवार सहित महान कुर्बानी दी। उन्होंने कर्बला के विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख करते हुए हजरत अब्बास की वफादारी, अली अकबर की शहादत, छह माह के अली असगर की कुर्बानी तथा जनाबे कासिम के बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि मोहर्रम का संदेश इंसाफ, सब्र और मानवता की रक्षा के लिए संघर्ष करना है। जुलूस में शबीहे अलम, जुलजनाह, गहवारा–ए–अली असगर और ताबूत बरामद किए गए। मातमी अंजुमनों द्वारा पढ़े गए नौहों और किए गए मातम से पूरा वातावरण शोकमय हो उठा। जुलूस अपने पारंपरिक मार्गों से होता हुआ अटाला मस्जिद स्थित इमामबाड़ा शेख अल्ताफ हुसैन पहुंचा, जहां तुर्बत को जुलजनाह और गहवारा–ए–अली असगर से मिलाया गया। इस भावुक दृश्य को देखकर बड़ी संख्या में मौजूद अजादारों की आंखें नम हो गईं। इसके बाद जुलूस पुनः इमामबाड़ा नाजिम अली खां पहुंचकर संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन परवेज हसन ने किया। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस बल की तैनाती रही। जुलूस में हजारों की संख्या में अजादारों ने भाग लेकर कर्बला के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

गर्भवती महिला की इलाज के दौरान मौत , पुलिस ने निजी अस्पताल संचालक पर मुकदमा दर्ज, जांच शुरू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में खुटहन थाना अंतर्गत गुरुवार को एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान छ माह की गर्भवती महिला की मौत हो गई। परिजनों ने जमकर बवाल किया।घटना के सूचना पर पहुंची पुलिस ने इस मामले में अस्पताल संचालक एवं संबंधित कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिय भेजा है। घटना के बाद परिजनों ने डॉक्टर पर उपचार में लापरवाही का आरोप लगाया है। इस मामले में जानकारी लेने पर क्षेत्राधिकारी शाहगंज गिरेन्द्र सिंह ने बताया कि सरपतहां थाना क्षेत्र के पट्टी नरेन्द्रपुर गांव निवासी रिंकू माली ने खुटहन थाने में तहरीर देकर बताया कि उसकी पत्नी लक्ष्मी छह माह की गर्भवती थी। गर्भावस्था की शुरुआत से ही उसका उपचार खुटहन स्थित किरण हॉस्पिटल में चल रहा था। 14 जून को तबीयत खराब होने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि उपचार के दौरान महिला की हालत लगातार बिगड़ती रही, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने परिजनों को उसकी वास्तविक स्थिति से अवगत नहीं कराया। पीड़ित पक्ष का कहना है कि अस्पताल कर्मियों ने बिना परिवार की सहमति के महिला को जौनपुर ले जाकर उपचार कराने का प्रयास किया और बाद में गंभीर हालत में वापस खुटहन ले आए। इसी दौरान 24 और 25 जून की मध्यरात्रि करीब दो बजे महिला की मौत हो गई। मृतका के पति ने आरोप लगाया कि उपचार के दौरान चिकित्सकीय स्थिति की सही जानकारी परिवार को नहीं दी गई और केवल मृत्यु की सूचना देकर मामले को समाप्त करने का प्रयास किया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अस्पताल संचालक और संबंधित कर्मियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, चिकित्सकीय अभिलेखों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए बैठक सम्पन्न'

ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहाँपुर' बुधवार को एडीएम (प्रशासन) रजनीश कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित बिस्मिल सभागार में मोहर्रम पर्व के दृष्टिगत संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) ने बताया कि इस वर्ष मोहर्रम पर्व दिनांक 15 जून 2026 से प्रारंभ होकर मुख्य पर्व 25, 26 एवं 27 जून 2026 को जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में संपन्न होगा। उन्होंने कहा कि यह पर्व संवेदनशील होने के साथ–साथ कई स्थानों पर मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में आयोजित होता है, इसलिए विशेष सतर्कता एवं प्रभावी निगरानी बनाए रखना आवश्यक है। मोहर्रम के अवसर पर विभिन्न निर्धारित स्थलों एवं घरों में ताजिए स्थापित किए जाते हैं तथा बाद में ताजियों को जुलूस के रूप में स्थानीय कर्बला तक ले जाकर प्रतीकात्मक रूप से दफन किया जाता है। उन्होंने निर्देश दिए कि मोहर्रम पर्व के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर एवं जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में आयोजित होने वाले ताजिया जुलूसों तथा अन्य कार्यक्रमों की निगरानी हेतु अधिकारियों की थानावार ड्यूटी लगाई गई है। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता एवं सतर्कता के साथ सुनिश्चित करें। बैठक में एडीएम प्रशासन ने निर्देशित किया कि ताजियों की ऊंचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप रहे तथा इसकी पूर्व से जांच सुनिश्चित की जाए। संबंधित अधिकारियों को अपने अपने क्षेत्रों का निरीक्षण कर विद्युत तारों को आवश्यकतानुसार ऊंचा कराने के निर्देश दिए । नगर निगम के अधिकारियों को जुलूस मार्गों पर साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था तथा मार्गों से ईंट, पत्थर एवं अन्य अवरोधों को हटाने की कार्रवाई पूर्व में ही पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों एवं प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा की दृष्टि से हाईवे और मुख्य मार्गों से लगभग 500 मीटर पूर्व बैरिकेडिंग लगाए जाने के निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर देवेंद्र कुमार ने संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे पूर्व में संबंधित अधिकारियों के साथ संवाद स्थापित करें समन्वय के साथ पर्व को सकुशल संपन्न कराएं। बैठक में नगर मजिस्ट्रेट रजनीकांत, उप जिलाधिकारी सदर संजय पाण्डेय क्षेत्राधिकारी नगर देवव्रत बाजपेयी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में शातिर बदमाश गिरफ्तार, पैर में लगी गोली, एक फरार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नेवढ़िया और जलालपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने गुरुवार तड़के मुठभेड़ के दौरान एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया। इस मामले में जानकारी लेने पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर मेरे द्वारा एवं क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं के पर्यवेक्षण में नेवढ़िया पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल सवार संदिग्ध को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन उसने पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए सीतमसराय की ओर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने तत्काल उसका पीछा किया और जलालपुर पुलिस व सीतमसराय चौकी को सूचना देकर घेराबंदी कराई। खुद को चारों ओर से घिरा देख बदमाश ने पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के बाएं पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। उसका दूसरा साथी मौके से फरार हो गया। गिरफ्तार घायल बदमाश की पहचान अरविंद राजभर निवासी जयरामपुर, थाना मड़ियाहूं के रूप में हुई। पूछताछ में उसने फरार साथी का नाम महेश यादव निवासी महरेवं, थाना जलालपुर बताया है। पुलिस के अनुसार अरविंद के खिलाफ विभिन्न थानों में लगभग एक दर्जन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने उसके कब्जे से एक .315 बोर का तमंचा, कारतूस तथा एक बाइक बरामद किया है। घायल बदमाश को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस टीम दबिश दे रही है। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जौनपुर में कोचिंग–रेस्टोरेंट की चेकिंग, 3 हिरासत में अनियमितता मिलने पर सिटी मजिस्ट्रेट और ASP ने की कार्रवाई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपु नगर में सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह और सहायक पुलिस अधीक्षक गोल्डी गुप्ता ने गुरुवार की शाम 4 बजे कोचिंग सेंटरों और रेस्टोरेंटों का औचक निरीक्षण किया। इस अभियान के दौरान कई स्थानों पर अनियमितताएं पाई गईं, जिसके बाद कार्रवाई की गई। टीडी कॉलेज के पास स्थित एक रेस्टोरेंट में गंभीर अनियमितताएं मिलीं। रेस्टोरेंट में असुरक्षित केबिन बनाए गए थे, जिनमें आग से बचाव और आपातकालीन निकास के कोई उचित प्रबंध नहीं थे। इस पर रेस्टोरेंट की संचालिका और दो अन्य लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह ने बताया कि उन्हें लगातार जानकारी मिल रही थी कि टीडी कॉलेज के आसपास कुछ रेस्टोरेंट में सुरक्षित जगह बनाकर लोगों को बैठाया जाता है। चेकिंग के दौरान पाया गया कि केबिन न तो फायर सेफ्टी के हिसाब से सुरक्षित थे और न ही किसी हादसे की स्थिति में प्रवेश और निकास के अलग–अलग रास्ते थे। मौके पर ही इन असुरक्षित केबिनों को हटवा दिया गया है और शेष बचे हुए केबिनों को भी जल्द ही हटाया जाएगा। बेसमेंट में संचालित हो रही कोचिंग और लाइब्रेरी के संबंध में भी कार्रवाई की गई। कई लाइब्रेरी की जांच की गई, जहां उचित व्यवस्थाएं नहीं थीं। उन्हें जल्द से जल्द सुधार करने का अल्टीमेटम दिया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक एग्जिट और एंट्री की उचित व्यवस्थाएं नहीं हो जातीं और संचालन ठीक से नहीं होता, तब तक बेसमेंट के अंदर चल रहे कोचिंग या अन्य ऑपरेटरों को बंद रखा जाएगा। सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त होने के बाद ही इन्हें फिर से संचालित करने की अनुमति दी जाएगी। हिरासत में लिए गए लोगों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

लखनऊ व्यापार मंडल कार्यालय पर विशाल भंडारे का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ व्यापार मंडल कार्यालय पर ज्येष्ठ माह के उपलक्ष्य में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक सुमित गुप्ता नदीम शेख ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों हनुमान भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। भंडारे में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही तथा पूरे आयोजन में भक्तिमय वातावरण बना रहा। उपस्थित भक्तों ने भगवान हनुमान जी की पूजा–अर्चना कर सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। इस अवसर पर मुख्य रूप से राजेंद्र कुमार अग्रवाल, अमरनाथ मिश्र, सतीश अग्रवाल, भारत भूषण अग्रवाल, पवन मनोचा, मनीष गुप्ता, प्रियंक गुप्ता, रविंद्र गुप्ता, इंद्रजीत सिंह, शशि प्रकाश शुक्ला, कुश मिश्रा, सुहैल हैदर अल्वी, जगजीत, सतनाम सिंह एवं नरेश अग्रवाल सहित सैकड़ों हनुमान भक्त उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु उपस्थित श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों के प्रति आयोजकों ने आभार व्यक्त किया।

गोमती में दो सगे भाइयों की डूबने से मौत, पिता का बुढ़ापे का सहारा छिना

लखनऊ, (संवाददाता)। अवसानेश्वर धाम में गोमती में बुधवार को स्नान करने उतरे दो सगे भाइयों की डूबने से मौत हो गई। स्थानीय गोताखोरों ने पहले छोटे भाई को बाहर निकाला। उसे गंभीर अवस्था में एंबुलेंस से सीएचसी हैदरगढ़ भेजा गया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं बड़े भाई का शव डूबने के करीब 40 मिनट बाद बरामद हुआ। देवेंद्र पांडेय उर्फ हैप्पी (18) अपने चचेरे भाई मनू पांडेय (12) व साथी आदर्श पाल (14) के साथ बुधवार सुबह साढ़े नौ बजे दो बाइक से अवसानेश्वर धाम दर्शन करने आए थे। गोमती में स्नान के दौरान छोटे भाई हनी को डूबता देख बचाने आगे बढ़ा हैप्पी भी डूब गया। हनी को कुछ ही देर में गोताखोरों ने बाहर निकाल लिया लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

संक्षिप्त खबरें

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के मदेयगंज थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाने और विरोध करने पर धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार 22 जून 2026 को पीड़िता ने थाना मदेयगंज में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि आरोपी ने उससे शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाए। जब उसने विवाह के लिए दबाव बनाया तो आरोपी तथा उसके परिवार के कुछ सदस्यों ने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया, गाली–गलौज की और जान से मारने की धमकी दी।पीड़िता की शिकायत पर थाना मदेयगंज में मुकदमा संख्या 81ध्2026 धारा 69, 352 और 351(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक विनोद कुमार द्वारा की जा रही है।मुकदमा दर्ज होने के बाद नामित आरोपी अमित गुप्ता अपनी माता, बहन और अधिवक्ता के साथ थाना मदेयगंज पहुंचा। पुलिस द्वारा पूछताछ किए जाने पर आरोपी ने अपना नाम अमित गुप्ता पुत्र हरिश्चन्द्र गुप्ता निवासी आजाद नगर, कानपुर रोड, मानसनगर, थाना सरोजनीनगर, लखनऊ बताया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों के संबंध में गलती स्वीकार करते हुए माफी भी मांगी।इसके बाद पुलिस ने आरोपी को विधिक प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार कर लिया। –

चोरी की अपाचे बाइक के साथ दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। महानगर पुलिस ने वाहन चोरी की घटना का त्वरित खुलासा करते हुए चोरी की गई अपाचे मोटरसाइकिल बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार 22 जून 2026 को राजकुमार यादव ने थाना महानगर में तहरीर देकर बताया था कि उनकी काले रंग की अपाचे मोटरसाइकिल संख्या यूपी–60 एए–8766 राजकीय कॉलोनी, बादशाहनगर के सामने से चोरी हो गई है। शिकायत के आधार पर थाना महानगर में मुकदमा संख्या 112ध्2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।घटना के खुलासे के लिए महानगर पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग और तलाश अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान 22 जून की रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि सौमित्र वन के बगल बंधा रोड, अकबरनगर क्षेत्र में दो युवक चोरी की मोटरसाइकिल बेचने की योजना बना रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया।पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने 20 जून को राजकीय कॉलोनी, बादशाहनगर से उक्त मोटरसाइकिल चोरी की थी और उसे बेचने की फिराक में थे। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई अपाचे मोटरसाइकिल बरामद कर ली।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उबैद खान पुत्र अख्तर खान निवासी सर्वोदय नगर, गाजीपुर और शीबू पुत्र सेठ सुभराती निवासी गोपालपुरवा, थाना महानगर के रूप में हुई है।

15 मौतों के मामले में मकान मालिक समेत चार गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के अलीगंज क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड के मामले में कमिश्नरेट पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस दर्दनाक हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 9 अन्य घायल हुए थे। पुलिस का कहना है कि घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी और जांच निष्पक्ष एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है।पुलिस के अनुसार 22 जून 2026 को थाना अलीगंज क्षेत्र के पुरनिया चौकी अंतर्गत सेक्टर–डी कॉलोनी में यूपीएससी भवन के पीछे स्थित भवन संख्या 02813 में भीषण आग लग गई थी। आग लगने और पूरे भवन में धुआं भर जाने से वहां रह रहे 15 छात्रों एवं अन्य व्यक्तियों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 9 लोग घायल हो गए। घायलों में कुछ ऐसे भी थे जो जान बचाने के लिए भवन से नीचे कूद गए थे।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून–व्यवस्था), संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय), पुलिस उपायुक्त उत्तरी, अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी, सहायक पुलिस आयुक्त अलीगंज सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। फायर सर्विस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और प्रशासनिक अधिकारियों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान चलाया। अभियान के दौरान भवन में फंसे लोगों को बाहर निकालकर तत्काल केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर भेजा गया, जहां घायलों का उपचार जारी है। आग पर काबू पाने और मलबे में फंसे लोगों की तलाश के लिए लगातार अभियान चलाया गया।

पीजीआई पुलिस ने बाइक चोरी का किया खुलासा

लखनऊ, (संवाददाता)। पीजीआई पुलिस ने बाइक चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार न्यू सैनिक होम सोसाइटी, कल्ली पश्चिम निवासी दर्शनलाल ने 21 जून 2026 को थाना पीजीआई में तहरीर देकर बताया था कि 19 जून को कल्ली पश्चिम बाजार से उनकी मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी। शिकायत के आधार पर थाना पीजीआई में मुकदमा संख्या 332ध्2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।घटना के खुलासे के लिए पुलिस की विशेष टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया गया। इसी क्रम में 23 जून को पुलिस टीम क्षेत्र में चोरी की बाइक और आरोपियों की तलाश में गश्त कर रही थी। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि ओमेक्स अंडरपास के पास संदिग्ध युवक चोरी की मोटरसाइकिल के साथ मौजूद हैं।सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ओमेक्स अंडरपास के पास से दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से चोरी की गई हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की गई, जिस पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुजीत पुत्र नरेश निवासी कनकहा, थाना मोहनलालगंज और अखिलेश कुमार पुत्र वीरेन्द्र कुमार निवासी कनकहा, थाना निगोहा के रूप में हुई है। दोनों मजदूरी का काम करते हैं।

सीएम योगी करेंगे अक्षयपात्रा किचन का उद्घाटन, रोज 1 लाख बच्चों का भोजन

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 जून को तीन दिवसीय दौरे पर आएंगे। इसी दिन वह शाम को बरगदवा स्थित नकहा जंगल के पास अक्षयपात्रा के बेस किचन का उद्घाटन करेंगे और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। इस बेस किचन से रोजाना एक लाख बच्चों का मिड–डे मील बनेगा। 27 जून सुबह भाजपा महानगर के प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन करेंगे। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री 25 जून की शाम को आएंगे और गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन करने के बाद कुछ देर मंदिर परिसर में रहेंगे। इसके

बाद वह शाम करीब 5रू30 बजे बरगदवा स्थित नकहा जंगल स्टेशन के पास निर्माणाधीन अक्षयपात्रा के बेस किचन का उद्घाटन करने के बाद निरीक्षण करेंगे। 26 जून को एक निजी हास्पिटल का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री 27 जून को सुबह 10रू30 बजे भाजपा महानगर कमेटी के दो दिवसीय अभ्यास वर्ग के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में सांसद रवि किशन, एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, वर्तमान और पूर्व पदाधिकारी सहित 173 सदस्य भाग लेंगे। दो दिनों में कुल 16 सत्र आयोजित होंगे। पहले दिन भाग लेने वालों को रात प्रवास भी करना है। पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत भाजपा के दो दिवसीय अभ्यास वर्ग में शामिल होने के बाद 28 जून को सभी जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी अयोध्या दर्शन करने जाएंगे। इसके लिए पार्टी की ओर से एसी बस का इंतजाम किया गया है। अक्षयपात्रा के बेस किचन में अत्याधुनिक मशीनें लगाई गई हैं। तीन से चार घंटे में एक लाख बच्चों का खाना बनकर तैयार होगा। मशीन से एक घंटे में 50 हजार रोटी बनाई जाएगी और स्टीम तकनीक से 15 मिनट में 1200 लीटर चावल पकेगा। अक्षयपात्रा के जोनल हेड विक्रांत मोहन ने बताया कि तीन एकड़ क्षेत्रफल में बेस किचन और पार्किंग बनाई गई।

एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी समेत 30 पीपीएस अधिकारियों की हुई डीसीपी,बनेंगे आईपीएस अधिकारी

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।उत्तर प्रदेश के 30 पीपीएस अधिकारी अफसरों की आज डीपीसी हुई जिसमें अयोध्या जनपद में एसपी ग्रामीण पद पर तैनात बलवंत चौधरी सहित 30 पीपीएस अधिकारी आईपीएस बने।आईपीएस बनने वालों में 1997,1998,1999 और 2000 बैच के 30 पीपीएस अफसर शामिल है जो डीपीसी के बाद आईपीएस में पदोन्नति पाए। उनके अलावा पीपीएस अधिकारी सुरेश चंद्र रावत,शोएब इकबाल,राहुल मिठासआलोक कुमार शर्मा, राजकुमार।,महेश सिंह अत्री,विनीत भटनागर, जीतेन्द्र कुमार श्रीवास्तव,शशि शेखर सिंह,कुलदीप सिंह–, ज्ञानेंद्र नाथ प्रसादहरेंद्र प्रताप यादव,वंश राज सिंह यादव, डॉ. कृष्णा गोपाल,मधुबन कुमार सिंह,कपिल देव सिंह,राहुल श्रीवास्तव,राजेश कुमार पांडे–१ प्रीति बाला गुप्ता,विकास चंद्र त्रिपाठी,पुणेंदु सिंह, हरेंद्र कुमार, मार्तण्ड प्रकाश सिंह,अभय नाथ त्रिपाठी,पवित्र मोहन त्रिपाठी,देवेश कुमार शर्मा,प्रशांत कुमार प्रसाद,डॉ. अरविंद कुमार व सिद्धार्थ शामिल है।

गोरखपुर में सिर्फ 82 ही पंजीकृत, अधिकांश सेंटर में एक ही प्रवेश-निकास

गोरखपुर, (संवाददाता)। लखनऊ में कोचिंग सेंटर में लगी आग की आंच गोरखपुर भी पहुंच गई है। टीमों का गठन कर जांच शुरू कर दी गई है लेकिन गिने–चुने सेंटरों में ही आग से बचाव के पर्याप्त इंतजाम हैं। अधिकांश सेंटर भगवान भरोसे ही चल रहे हैं। इन सेंटरों में अगर कभी आग लगी तो लोगों की जान बचाना काफी मुश्किल होगा। शहर में अधिकांश कोचिंग आवासीय क्षेत्रों में संचालित किए जा रहे हैं। संकरे रास्तों की वजह से फायर ब्रिगेड की गाड़ियों का पहुंचना भी आसान नहीं है। छात्रसंघ चौराहा, बेतियाहाता, देवरिया बाईपास रोड, बैंक रोड, मेडिकल कॉलेज रोड, मोहद्दीपुर जैसे क्षेत्रों में बड़े कोचिंग सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। शहर में संचालित कई सेंटरों में मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। अधिकांश में आने–जाने के लिए एक ही रास्ता, फायर फाइटिंग के काम चलाऊ इंतजाम डराने वाले हैं। बड़े कोचिंग संस्थानों का हाल कुछ ठीक है। यहां पर फायर फाइटिंग और प्रवेश–निकास के लिए अलग–अलग द्वार जैसी सुविधाएं हैं। कुछ में आधुनिक अलार्म भी लगाए गए हैं। आकाश इंस्टीट्यूट में नीट की तैयारी कर रही साक्षी त्रिपाठी ने कहा कि सेंटर में पर्याप्त व्यवस्थाएं हैं। मोमेंटम में पढ़ाई कर रहे छात्र नीरज गिरि ने कहा कि यहां पर डरने जैसी कोई बात नहीं है। कोचिंग सेंटर संचालित करने के लिए उच्च शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पंजीकरण कराना अनिवार्य है। गोरखपुर कार्यालय में 82 कोचिंग सेंटर ही पंजीकृत हैं। उच्च शिक्षा अधिकारी उदयभान ने बताया कि पंजीकरण और नवीनीकरण के समय ही संचालक मानक के अनुरूप सभी जानकारी उपलब्ध कराते हैं। पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि किसी के विरुद्ध अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि किसी कोचिंग संचालक को नोटिस भी नहीं भेजा गया है। कोचिंग सेंटर के संचालन के लिए गाइडलाइंस तय की गई हैं। उत्तर प्रदेश सरकार रेग्युलेशन ऑफ कोचिंग एक्ट–2002 में मानक तय किए गए हैं। एक्ट के मुताबिक संचालक को तय समय पर उच्च शिक्षा अधिकारी कार्यालय को फीस, शिक्षकों, छात्र–छात्राओं की संख्या व सेंटर के साइज आदि की जानकारी देना अनिवार्य है। साथ ही कोचिंग सेंटर के निर्माण में नेशनल बिल्डिंग कोड का भी अनुपालन किया जाना है, जिसमें सीढ़ियों की साइज, प्रवेश–निकास के रास्ते, अग्निशमन की सुविधा शामिल है। अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता और व्यवस्था पर फोकस किया गया है ताकि संस्थान में सभी की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेरू डॉ. संजय पांडेय, सेंटर डायरेक्टर आकाश इंस्टीट्यूट मेडिकल कॉलेज रोड विद्यार्थियों की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दूसरे के नाम बना था टिकट, 11 पकड़े गए– बिचौलियों के खिलाफ केस दर्ज

गोरखपुर, (संवाददाता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने लगातार तीसरे दिन टीटीई की मदद से ट्रेनों में जांच अभियान चलाकर (20104) गोरखपुर–एलटीटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस से 11 यात्रियों को पकड़ा है। ये लोग दूसरे के नाम पर बने टिकट पर यात्रा कर रहे थे। इन यात्रियों के पास फर्जी आधार कार्ड मिला है। इनमें नौ पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। गोरखपुर स्टेशन पर हुई कार्रवाई में पकड़े गए यात्रियों ने बताया कि उन्होंने बिचौलियों के माध्यम से टिकट मूल्य के अलावा 1000 से 1500 रुपये देकर टिकट खरीदे थे। उनके पास मिले टिकट अन्य व्यक्तियों के नाम पर बुक कराए गए थे। पकड़े गए यात्रियों में नबी रसूल खां

25 वर्ष राकेश कुमार के नाम से बनाए गए फर्जी आधार पर यात्रा कर रहा था। इसी प्रकार सुरेश (33), रुपेश (26), प्रेम (26), राजेश कुमार गुप्ता (26), रविंद्र गुप्ता (26), मंजेय (28), रापू कुमार (38), शशि कपूर (26), कल्पना देवी (38) और रेनू (24) फर्जी आधार कार्ड दिखाकर पर यात्रा कर रही थीं। जांच के दौरान फर्जी एवं एडिट किए गए आधार कार्ड और रेलवे टिकट बरामद किए गए। जब्त टिकटों की कुल कीमत 12,119 रुपये बताई गई है। मामले में यात्रियों के खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 142 तथा बिचौलियों के खिलाफ धारा 143 के तहत छह प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरपीएफ इंस्पेक्टर दशरथ प्रसाद ने बताया कि पकड़े गए यात्रियों की सूचना पर श्याम उर्फ चिंटू, दिलीप कुमार चौरसिया और राजेश समेत कई वांछित टिकट बिचौलियों की तलाश शुरू कर दी है। बिचौलियों का संगठित गिरोह यात्रियों को दूसरे लोगों के नाम पर बुक टिकटों और फर्जी पहचान पत्र बनाकर ऊंचे दामों पर बेच रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मामले की जांच उपनिरीक्षक संदीप कुमार को सौंप दी गई है।

डीएम के निर्देशानुसार गर्रा नदी तट पर स्थापित 07 कलवर्ट/पुलियों का हुआ निरीक्षण

ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहाँपुर' जिलाधिकारी के निर्देशानुसार गुरुवार को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अरविन्द कुमार के नेतृत्व में अधिशासी अभियंता सुनील कुमार भास्कर, सहायक अभियंता सतपाल सिंह (सिंचाई विभाग, शारदा खण्ड) तथा राजस्व टीम के साथ मौजमपुर कैनाल से नगरिया मोड़ तक स्थापित 07 छोटी/बड़ी कलवर्ट/पुलियों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर मार्गों के उच्चीकरण कार्य का भी अवलोकन किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये हैं कि गर्रा नदी में बाढ़ का पानी आने के कारण तहसील सदर अन्तर्गत राई खेड़ा गाँव से नगरिया मोड़ तक गर्रा नदी के तट पर स्थापित 07 कलवर्ट/पुलियों पर लोहे के फ्लैप गेट अथवा रेगुलेटर लगाये जाने हेतु शीघ्र अध्ययन कर लिया जाए। इस क्रम में जनपद बरेली के नलकूप खण्ड वर्कशाप से भी सहायक अभियंता द्वारा कलवर्ट का निरीक्षण किया गया है। उक्त निरीक्षण एवं अध्ययन के आधार पर शीघ्र प्रस्ताव तैयार करके शासन को प्रस्तुत किया जायेगा, जिससे बाढ़ के दौरान नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की समस्या से प्रभावी रूप से निजात पाई जा सके। जनपद में गर्रा, खन्नौत जैसी प्रमुख नदियों से प्रतिवर्ष बाढ़ का खतरा बना रहता है। तहसील सदर क्षेत्र में गर्रा नदी के किनारे स्थित कलवर्ट/पुलियाँ बाढ़ के समय नदी का पानी आबादी क्षेत्रों में घुसने का माध्यम बन जाती हैं। फ्लैप गेट/रेगुलेटर लगाने से बाढ़ के दौरान जलभराव नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

आपातकाल की वर्षगांठ पर भाजपाईयों ने किया लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।देश में लगाए गए आपातकाल की वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी महानगर इकाई द्वारा लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके परिवारों के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया गया।भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने पांच लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके परिजनों से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की तथा रामनामी पटका पहनाकर उनका सम्मान किया। इस दौरान महामंत्री परमानंद मिश्र व शैलेन्द्र कोरी मौजूद रहे।इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह काला अध्याय है, जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश पर आपातकाल थोपकर नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन किया था। हजारों लोकतंत्र सेनानियों, पत्रकारों और विपक्षी नेताओं को जेलों में डाल दिया गया था।उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सेनानियों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। भाजपा ऐसे सभी लोकतंत्र रक्षकों के प्रति कृतज्ञ है, जिन्होंने व्यक्तिगत कष्टों को सहन करते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष किया।मीडिया प्रभारी अमित कुमार मिश्र ने बताया कि 26 जून को हाईवे स्थित एक होटल में आपातकाल की वर्षगांठ संगोष्ठी का आयोजन होगा। जिसके मुख्य अतिथि भाजपा उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमापति त्रिपाठी होंगे। संगोष्ठी को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

जनता दर्शन में प्राप्त शिकायतों पर प्राथमिकता पर हो रही कार्यवाही,निस्तारित हो रही जन की समस्याएं

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।डीएम शशांक त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट कक्ष में आयोजित जनता दर्शन में आमजन की समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं।जनता दर्शन में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने भूमि विवाद, राजस्व, पुलिस, विद्युत, पेयजल, आवास, पेंशन एवं अन्य जनसमस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए,जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इसी कड़ी में दर्शन के दौरान बभनिया सोहावल निवासी कृष्णाराम निषाद द्वारा चकमार्ग पर अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु उच्च अधिकारियों से जांच एवं विधिक कार्यवाही किये जाने हेतु अनुरोध किया गया था।जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सोहावल व एस. एच.ओ. रौनाही को प्रकरण को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया था, तत्क्रम में गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुये चकमार्ग पर लगे पेड़ो को कटवाकर चकमार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया गया साथ ही काटे गये पेड़ के संबंध में हल्का लेखपाल के तरफ से मु0अ0सं0 183श्2026 धारा 2श3 लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधिनियम बनाम अज्ञात लकड़ी ठेकेदार के विरूद्ध थाना रौनाही में अभियोग पंजीकृत कराया गया है।इसके साथ ही शिवनगर कॉलोनी पहाड़गंज श्री अजय कुमार जायसवाल द्वारा पारिवारिक विवाद के संबंध में अनुरोध किया गया था, जिस पर जिलाधिकारी ने एस.एच.ओ. नगर को निस्तारण के निर्देश दिये, तत्क्रम में संबंधित द्वारा आवेदक एवं विपक्षी में घर के बटवारे को लेकर कहासुनी के बाद आपसी समन्वय के साथ बटवारा करा कर निस्तारित कराया गया। इसी कड़ी में सोनौरा सदर निवासियों द्वारा जल निकासी की व्यवस्था व खलिहान को सुरक्षित रखे जाने हेतु अनुरोध किया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी मया व एस.एच.ओ. गोशाईगंज को प्रकरण के निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया, तत्क्रम में कार्यवाही करते हुये ग्राम प्रधान द्वारा जल भराव स्थलों पर सोख्ता निर्माण का कार्य करा कर शिकायत का निस्तारण कराया गया है।डीएम ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि आमजन की समस्याओं का समाधान पारदर्शिता, समयबद्धता एवं संवेदनशीलता के साथ किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक विलंब न हो तथा प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से परीक्षण करते हुए नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

किसी ने बोर्ड हटाया, कहीं बंद मिला अस्पताल... स्वास्थ्य विभाग ने नहीं की जांच

वाराणसी, (संवाददाता)। मऊ जिले में गर्भपात का धंधा और अवैध क्लीनिक सीएचसी और पीएचसी के आसपास फल–फूल रहे हैं। इसका खुलासा संवाद न्यूज एजेंसी की टीम ने शुक्रवार से रविवार तक जिले के पांच जगहों पर स्टिंग कर किया। खुलासे के बाद भी जिम्मेदारों ने कार्रवाई नहीं की। वहीं बड़राव सीएचसी प्रभारी ने जांच का दावा किया, लेकिन बिना पंजीयन के बावजूद नियमों को ताक पर रखकर सात दिन का समय देते हुए पंजीकरण कराने के संबंध में नोटिस देकर औपचारिकता पूरी कर दी। उधर, मंगलवार को इस मामले के उजागर होने के बाद टीम ने एक बार फिर पड़ताल कर इन अस्पतालों की स्थिति का जायजा लिया। मादी में रीता क्लीनिक के संचालक का बोर्ड हटा हुआ मिला, जबकि नीचे बेसमेंट में संचालित अस्पताल बंद मिला और दूसरे तल पर केवल मेडिकल स्टोर खुला पाया गया। अमिला में प्रतिमा सेवा सदन खुला मिला, लेकिन दिनभर मरीज नहीं पहुंचे। थानीदास में आनंद पैथोलॉजी बंद मिली, जबकि कोपागंज में कृष्णा अस्पताल खुला मिला और बिना बोर्ड के संचालित क्लीनिक पर ताला लगा मिला। इन संचालकों को आशंका थी कि स्वास्थ्य विभाग की टीम कार्रवाई के लिए पहुंचेगी, लेकिन मामले के खुलासे के बाद भी जिला मुख्यालय से दूर स्थानीय सीएचसी की टीम मौके पर नहीं पहुंची।

भीषण गर्मी में अघोषित बिजली कटौती से जनता बेहाल,अधिकारी मौन

अयोध्या।एक ओर भीषण गर्मी और उमस से लोग परेशान हैं, वहीं शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों मे दिन व रात मे घंटो अघोषित बिजली कटौती ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। वही जब विद्युत आपूर्ति भी रहती है तो लो वोल्टेज रहती है।सबसे ज्यादा परेशान रात में हो रही आघोषित विद्युत कटौती से लोगों को हो रही है।बिजली विभाग द्वारा कटौती का कोई निर्धारित समय न बताने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।भीषण गर्मी के मौसम में बिजली न रहने से बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।वही पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है,जिससे लोगों को अतिरिक्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।वहीं बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता और चुप्पी लोगों की नाराजगी को और बढ़ा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि घंटों बिजली गुल रहने से घरों में रहना मुश्किल हो गया है।लोगो का मानना है कि बिजली विभाग केवल दावों और आंकड़ों तक सीमित है, जबकि जमीनी स्तर पर व्यवस्था चरमराई हुई है।जनता का कहना है कि समय पर बिजली बिल जमा करने के बावजूद उन्हें बुनियादी सुविधा के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।आक्रोशित लोगो ने कहा कि भीषण गर्मी में बिजली संकट ने विभागीय व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी है और जनता के आक्रोश को खुलकर सामने ला दिया है।

'टूल किट्स योजना के लिये 06 जुलाई तक करे आवेदनः–सुष्मिता सिंह'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' गुरुवार को जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सुष्मिता सिंह ने बताया है, कि माटीकला टूल किट्स योजना के अन्तर्गत पगमिल मशीन हेतु वित्तीय वर्ष 2026–27 में 05 पगमिल (मिट्टी गूथने की मशीन) मशीनों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। लाभार्थियों का चयन, माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजनान्तर्गत प्रारम्भिक पाँच वित्तीय वर्ष (वर्ष 2019–20 से 2025–26 तक) की वित्तपोषित/स्थापित एवं संचालित इकाईयों के न्यूनतम से धनराशि रू0–5.00 लाख तक के ऋण–ग्रहिता उद्यमियों में से किया जाना है। अतः माटीकला पोर्टल की बेवसाइड upmatikalaboard-in पर 06 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। हार्डकॉपी जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, सिनेमा चौराहा लखनऊ रोड, हरदोई में जमा करना अनिवार्य है। अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, सिनेमा चौराहा लखनऊ रोड, हरदोई से सम्पर्क कर पूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते है व कार्यालय के सम्पर्क सूत्र–7408410807 पर भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

22 जून से हज आवेदक कर सकते है ऑनलाइन आवेदन

अयोध्या।जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इण्डिया ने हज–2027 की अधिकारिक घोषणा कर दी है। जिसके अनुसार इच्छुक हज आवेदक हज कमेटी ऑफ इण्डिया की वेबसाइट hajcommittee-gov-in तथा मोबाइल एप्लीकेशन हज सुविधा पर उपलब्ध हज ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।यह सुविधा दिनांक 22.06.2026 से आरम्भ होकर 20.07.2026 तक उपलब्ध रहेगी। जुलाई 2026 के अन्तिम सप्ताह में कुर्रा (डिजिटल रैंडम चयन) प्रक्रिया के उपरान्त प्रत्येक प्रोवीजनल चयनित हज यात्री को 1,52,300– की अग्रिम धनराशि 10.08.2026 तक जमा करनी होगी।आवेदन निश्चित समय सीमाओं के भीतर किया जाना आवश्यक होगा। इस समय सीमाओं में किसी प्रकार की छूट अथवा विस्तार सम्भव नहीं होगा। इच्छुक आवेदक वेबसाइट पर उपलब्ध हज–2027 की पॉलिसी, हज गाइडलाइंस को ध्यानपूर्वक पढ़ लें तथा अपनी पात्रता सुनिश्चित कर लें। ऑनलाइन आवेदन के लिए निम्न प्रपत्रों की स्कैण्ड प्रति अपलोड करना अनिवार्य है। इससे सम्बंधित अन्य जानकारी सम्बंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

नगर निगम ने बड़े मंगल पर दिया आस्था के साथ स्वच्छता का संदेश

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।रामनगरी में ज्येष्ठ माह के बड़े मंगल के दौरान इस वर्ष आस्था, सेवा और स्वच्छता का अनूठा संगम देखने को मिला।नगर निगम अयोध्या ने महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी के निर्देश पर शहर भर में आयोजित भंडारों को 'जीरो वेस्ट इवेंट' के रूप में संचालित करने का अभियान चलाया। इसके तहत सभी भंडारा स्थलों पर विशेष स्वच्छता प्रबंधन, कचरा निस्तारण और निशुल्क पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।नगर निगम की ओर से चलाए गए विशेष अभियान के अंतर्गत भंडारा स्थलों पर तैनात टीमों ने सफाई संसाधनों के साथ निरंतर स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखी।नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने पीएस सिस्टम के माध्यम से श्रद्धालुओं और आयोजकों को सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचने, कचरा पृथक्करण अपनाने के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।उन्होंने बताया कि ज्येष्ठ माह के आठ बड़े मंगलवारों को कुल 311 स्थलों पर भंडारों का आयोजन हुआ, इनमें प्रथम बड़े मंगल पर 29, द्वितीय पर 21, तृतीय पर 23,चतुर्थ पर 19, पंचम पर 21, षष्ठम पर 38, सप्तम पर 41 तथा अंतिम एवं अष्टम बड़े मंगल पर 119 स्थलों पर आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जलकल विभाग ने कुल 390 निःशुल्क वाटर टैंकर उपलब्ध कराए, जिससे सभी भंडारा स्थलों पर शुद्ध पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकी। इसके अलावा कूड़ा निस्तारण के लिए विशेष कूड़ा वाहनों की व्यवस्था भी की गई, ताकि उपयोग किए गए दोने–पत्तल और अन्य अपशिष्टों का तत्काल निष्पादन किया जा सके।नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पाण्डेय ने बताया कि अयोध्या धाम, कैंट और अवधपुरी तीनों जोनों में व्यापक स्तर पर निगरानी और स्वच्छता व्यवस्था की गई। महापौर के नेतृत्व में नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राममणि शुक्ला सहित सभी जोनल अधिकारियों और मुख्य सफाई निरीक्षकों ने भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।नगर निगम की इस विशेष पहल से न केवल स्वच्छता को बढ़ावा मिला, बल्कि 'जीरो वेस्ट इवेंट' की अवधारणा को भी जन–जन तक पहुंचाने में सफलता मिलेगी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।